

129
Ugrasajda
Mali.



129
Ugracauda
Vallu

रघीगुनगदोहाअनमः॥ ॥ हुं श्री उग्रचक्षुयेनमः॥ ॥ अथः
 नवनाथपद्मतिर्लिखतः॥ ॥ ७॥ ॥ लाहातवायाडा नासिय॥ गुन
 नमस्काव॥ ॥ अशकाय॥ हुं अश्विनीमासः शुक्रयक्षुयति
 यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥
 मूकवासवः यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥ यथायानि॥
 मि॥ श्रीमन्महाउग्रचक्षुःदेवा यववीरुनापनानिमित्तार्थं श्री
 नृदक्षुदि नवद्वन्द्वद्विपूजामर्ककविद्या॥ ॥ तिर्कल्य॥
 ॥ तिर्कल्य॥ ॥ आगस्त्यानमागत्य॥ कम्बवाशास्तानप्य॥ ॥ उग्रवि

* * *

॥ ॥ न्यास॥ पातामनवाय यद्वा अष्टदल॥ चमस्तुलयादडा
 न कलदीकायनायाय॥ कलदीम यश्चवत् यश्चवत् वः
 तीर्थयात्रेख साइइतय॥ सिन्दूरदी॥ लाडा हुं काववाय॥
 ॥ दृष्टिखले॥ यस्यापवीत अर्द्धालतय॥ धीन्यामनतय॥
 ॥ अर्द्धा द्वालीमान अष्टवीहि स्व७१० भाव मलीडा
 मिलासतयाडा कलदी॥ मलयाकयय॥ ॥ मूलमकुडिपा
 लकन॥ थीवहाले॥ हुं सर्वलक्ष्मीपुवित्तार्थं सर्वशक्तकया
 यव॥ पुतिपशानवम्भान् इन्द्रदेविसिन्धवारुव॥ १॥ कलसा

पवि अकृत निदिपे ॥ ॥ ॐ दौं दौं कूं कूं कूं कूं मिवा रुवा ॥
॥ नाम या दाडा नाय अकृत नान्धव्यन पञ्चपुष्पाञ्जलि
विय दायाल ॥ ववा रुय मूदा कन ॥ थानि मूदाने नमस्का
॥ ॥ चनत काहाले ॥ नामिये ॥ नाम ॥ निकल खनत कोः
मिल ॥ ॥ ॐ मूख रुव अकृत रुट रीखयाल खनहाय ॥
॥ ॐ दौं बा अ पुद दवयाय नमः ॥ श्रीखेले नक वन्दन सिन्दू
व अकृत खानतय ॥ ॥ ॐ मूर्ति धी डय वलु विपूमर्दि
नी निवस साहा ॥ ॐ दूं अ व दू गुठन थदाडा धियाडा

तय ॥ मनुन ऊपलप ॥ ॐ दौं दौं दूं वलिका कालिक साहा १० ॥
॥ ॐ दू ४ अकृत रुट ॥ धियाञ्जलि विय ३ ॥ धन थानि मूदा क
न ॥ द्रिया दडाने तकाहाले ॥ मलीडा मिलास माल काहाले ॥
॥ ॥ धन धन काडा धी डय वलु रुगवतीया ऊनुआवे
यादाडा नेमिहिक पूजायाय ॥ ॥ नामिय रीख रुलामन
न ३ सपाल ॥ ॥ मूर्त्याये ॥ गुवन मस्काव ॥ अखलु मरुलाः
कालत्यादि ॥ थडात आसन दौं आसनाय नमः ॥ ॥ धन
लिप्राक्षायाम कवयज्ज ददयादिनामयाय ॥ ॐ वंशु धम

नुदा प्राप्तायाम ॥ हृषी मातृका न्यास ॥ धनीलि पुपथ ३ क
 न्यास ॥ धनीलि उग्रवधुया मूलन्यास ॥ नंदोद्यो ह्रीं
 श्रीं ह्रीं न्यास ॥ नंदोद्यो ह्रीं त्रीं न्यास ॥ नंदोद्यो
 ह्रीं ह्रीं मधुमा न्यास ॥ नंदोद्यो ह्रीं अनामिका न्यास
 नम ॥ नंदोद्यो ह्रीं कनिष्ठिका न्यास ॥ नंदोद्यो ह्रीं
 कवत लकवपुष्टा न्यास ॥ ॥ नवद्वययादि ॥ ॥
 ॥ मखपागपूजा ॥ अद्यपागपूजा ॥ महापागपूजा ॥ गुरुपाग
 मकिपाग रागपाग धत वापनाया दाडा पूजायाय ॥

* * *

॥ धनीलि वलिमालका स्थापनायाय ॥ धनीलि प्राप्तायाम
 यउगदिन्यासयादाडा हतगुदियाय ॥ आसपूजा ॥ मा
 लिनि श्रीसमस्तुपठयाडा दवीआवाहनयाय ॥ सुगंध २
 धूपधन ॥ अष्टवीदि अष्टदिगमहोल ॥ धनीलि कलशम
 रंगवतीपूजायाय ॥ ॥ नामिय ॥ नंदोद्यो ह्रीं धर्मकन
 न्यास ॥ हृषी यथैवलि विय ॥ गदापति कमान
 कृग यामिनि सिद्धिचामधु ॥ धत वायादि अंगगम्भीदि
 नपूजायादाडा तप्यादि वलि विय ॥ शिवा अलि ॥ दन

गङ्गा नी पात विन्दु खेप आनिमूषाकन ॥ ॐ त्रिपञ्चवलि
॥ अथ कनकायुक्ता ॥ ॐ पद्मासनाय नमः ॥ ॐ सिंहासनाय न
मः ॥ ॐ इंद्रासनाय नमः ॥ ॥ ध्यानं पूर्ववत् ॥ ॥
॥ आवाहन ॥ ॐ नृदचक्षु महागणवती ॥ ॐ दागक २ ॐ हेमि
४२ ॐ हसनिधेहि अणधिल्लानं कुत्र २ ममपूजागृहादी २
॥ नतस्याद्यं नवाद्यं ॐ दमाचमनीयं ॐ दीप्तानीयं श्रीबुद्ध
चक्षुदि श्रीनवदग्नीध्वी नमः ॥ नमचन्दनगन्धं नतस्य धी
नमस्तपूय नमस्तदीय नतस्य धीयचानसहित सधामन

नेवद्यं नतस्य धीयचानादि रुतमूलं ताम्रवादिमूखशुद्धि
श्रीबुद्धचक्षुदि नवदग्नीध्वी कुर्यान्निवदयामि कृपयागृहा
दी २ पुसीद २ ॐ ह २ राहि २ सधायानं पिव २ अस्माविक २ नि
वदयामि गृहगृहानु धु नमः ॥ स्वाहा ॥ तर्पणं तिष्ठा ३ ॥ ॥
॥ ॐ इंद्रासनाय नमः ॥ ॐ धु धु धु धु श्रीबुद्धचक्षुदेवी मगलमयविवा
दाय म वादनाय श्रीपादकां पूजयामि स
र्पयामि धु नमः ॥ तर्पणं स्वाहा ३ वलिविद्यं ॥ ॐ इंद्रासनाय
ॐ धु धु धु धु त्रिपञ्चवलिनिधौ नृदचक्षुदि नवदग्नीध्वी नमः

मर्पेभयाय ॥ ॥ मंगलाय ॥ श्रीमन्महा ॥ महा माया ॥ रुद्र
 मृति ॥ कवच ॥ गंगनाम ॥ महाभुनाम ॥ रुद्रा मृति ॥ आत्मा
 शीर्षादि ॥ दक्षिणतय ॥ यश्च यथा शुक्तिविद्याया ॥ पावक
 नदनयाय ॥ लंघनियुतासनकृत्पादि ॥ देवीमन्त्रमर्म ॥ चय
 धिय ॥ रुद्ररुद्रन ॥ स्नानकृत्पायमड ॥ गुद्रुता ॥ सम्भवा
 लस ॥ मरविद्याया ॥ वलिविस्मृत्तनयाय ॥ निम्नाल्पपूजा ॥
 ॥ नाम ॥ उप १०४ ॥ रुद्रा मृति ॥ ॥ १२ ॥ महिषधूमरुद्रा
 य ॥ चामुद्रमृद्रुमालिनी ॥ दवमात्रा ॥ विरुज्जन् ॥ ददि

देवीनमा मृत ॥ १ ॥ रुद्रा मृद्रुलाकाली ॥ रुद्रकालिक
 पालिनी ॥ इन्द्रा मृद्रुलाकाली ॥ रुद्रा मृद्रुलाकाली ॥
 ॥ २ ॥ सर्वमंगलमाद्रुद्रा ॥ शिवमर्वाधेमाधर्क ॥ गंगारुद्र
 गुम्बर्क ॥ गंगी ॥ नावायदिनमा मृत ॥ ३ ॥ यद्रुद्रा वाद्य ॥ या
 निमृद्रुयानमस्तु ॥ स्नानपूजा विधाय ॥ मद्रुलविम
 रुद्रा ॥ मद्रुलमृद्रुतपूष्य ॥ सगिनमयमादय ॥ रुद्रा
 दिन्नामकालय ॥ ॥ रुद्रा कलहा मृद्रुपनपूजा विधि ॥
 ॥ धृतपूजा ॥ प्रतिपदाकूद्रुनिस्य ॥ सफमीकूद्रुता ॥ धृतपूजानमक ॥

॥ धनैलि मरुता जल मिदु दू सुवलास खेडु स्कायनायाय ॥ धकि
 कलही स्कायनायाय ॥ मगुली धलि दू स्वन सिधुमून वादाव की
 दाव रुट से गुमा जादिन स्कायनायाय ॥ धमू जमू दकी स्कायना
 याय ॥ कूरुला ससारुलदकी स्कायनायाय ॥ वावुली कलगी स्वन ॥
 ॥ पा १ मूल वलि ॥ पा ३ शिवलि ॥ पा ५ पशु वलि ॥ पा १ मरुता काल
 वलि ॥ सिधुल साधल दृष्टि जइवाल मालकी ॥ स्वातमा स व
 लियान मालकी ॥ गुंला वला रुला थसखा तिरुव दा आदि
 न दयकी माल ॥ माह निरुय ॥ मश्रम सतय ॥ रुजा आदि स्काय
 ना ॥ मादिन थलथन ॥ धी रुडु रीका पलका नाय पागा

य गुंताल मालकी ॥ धन वला इ मुनू थीनहालाडा स्कायनाया
 य ॥ धी खपाग अर्धपाग धकि पाग रुववपाग धीपाग वीनपाग
 गुनूपाग वीनपाग रागपाग धनपाग सुवलास स्वन ॥ ॥
 ॥ पतिका पुर्वसन ॥ देव देवी निमरु ॥ कठलीलमा वझायली ॥
 ॥ धलमा नूडायगी ॥ वामा कीमावी ॥ पालमा वेषवी ॥ हलूल
 मा वागहि ॥ नाय रुकनमा रुंदायनी ॥ वोलकवी वामुधु ॥
 ॥ जगधक स्नान मरुतालक्षि ॥ ॥ लक्ष्मी स्नान धी डगवधु ॥ वीय
 स्नान वझायिती ॥ नृपक मरुता स्नान नूडायली ॥ सवल स्नान कीमा
 वी ॥ मलि स्नान रुंदायली ॥ कालत स्नान वामुधु ॥ काल स्नान

महालक्ष्मी ॥ चण्डालस्नानं वा नाहो ॥ संधस्नानं वैशुवी ॥ राहस्नानं
न ॥ उग्रचण्ड ॥ इस्नानं कात्यायनिरुगवति ॥ धनस्नानं कालि
का ॥ लंतिगुलस्नानं शिवदूती महायोगिनी ॥ धनस्नानं पुतिपदा
कूटनिर्घा दवीमातृकाया कथनं पूजायास्यं किङ्कलकाय ॥ ॥
॥ संधज्जमीपूजा ॥ ॥ विनाचम्य ॥ सुयायि ॥ हुं ह्रीं श्रीं ॥ श्री
इग्नौ देवी ॥ खड्गहस्ताय ॥ खड्गमूर्तये ॥ महाक्षमी पादौ ॥ श्री
वृद्धवत्सुदि ॥ नवदुर्गावाधनं पूजानिमित्तं ॥ श्रीसुयाययाय
नमः ॥ पर्यायनमः ॥ न्यास ॥ गुरुपूजा ॥ हस्तमुद्रा ॥ आत्मपूजा ॥
दशधा ॥ धन ॥ आवाहनं ॥ श्रीसमवेता ॥ धूपधनं ॥ मालिनि

पूजये ॥ न्यासः ॥ हुं ह्रीं श्रीं ॥ श्रीउग्रचण्ड ॥ हुं हृदयाय नमः ॥ हुं
ह्रीं श्रीं ॥ विष्णुमहती ॥ हुं शिवसखा ॥ हुं ह्रीं वाज्रपुट ॥ हुं शि
खाय ॥ हुं वज्रट ॥ हुं ह्रीं सदावकर कवचाय हुं ॥ ह्रीं मां हुं सः
ह्रीं नृगयाय वीरट ॥ हुं मृत्युहन् ॥ हुं कनकतलकवपुषा स्थानि
मः ॥ हुं मृत्युहन् नमः ॥ हुं ह्रीं मायारुट ॥ नवकरं न्यासः ॥ ॥
॥ कुलपात्रपूजा ॥ दिग्वन्धनं ॥ आत्मपूजा ॥ देवीखड्गं स्थाप
ये ॥ ॥ पञ्चमृत ॥ जलिरुद्र ॥ स्नानं गंगाकुलस्नानं ॥ हुं ह्रीं
श्रीं ॥ श्रीउग्रचण्डाय ॥ खड्गमूर्तये ॥ श्रीपाइका ॥ पूजायाधिनमः ॥



॥ देवी स्थापनायाय नमः ॥ ॥ सर्वलक्ष्मीप्रदित्यर्थं सर्वं
भक्तकामाय च ॥ अष्टम्यादिनवम्यादि नन्दनदिवसि स्मिन्वारव ॥ १ ॥
॥ स्मृतिं लसकृत्तायाय ॥ ॐ नमः ॥ धावादि ॥ अष्टपष्टिकासनाय न
मः ॥ ॐ सिंहासनाय नमः ॥ ॐ महिषासनाय नमः ॥ ॐ गुरु
सनाय नमः ॥ ॐ निगुरुसनाय नमः ॥ ॐ त्यासनं पृथु ॥ ॥ ॐ
खड्गसिंहासनाय नमः ॥ ॐ गुरुपदविनासिनी ॥ ॐ सनीसिंहासनाय नमः
॥ ॐ खड्गसिंहासनाय नमः ॥ १ ॥ धावाय नमः ॥ ॐ स्थापनायाय ॥ ॥
॥ ॐ स्थापनायाय ॥ ॐ स्मिन्वारव ॥ ॐ धावाय नमः ॥ ॐ अष्टम्यादिनवम्यादि

॥ अथ देवी धात्री ॥ ॐ उग्रवदना महादेवी ॥ धात्री गवती ॥ ॐ
तपस्वामी कवाणामा ॥ विद्युत्कीटसमपुष्पा ॥ पीनकतसुलारा
गा ॥ तिनगा चानुहासिनी ॥ कीर्तीटिकुल्ला धात्री कथुनमतिन
पूना ॥ वलमाला विचित्रता ॥ हाउमालावलमिनी ॥ अष्टादश
कुलाकाशा ॥ दिव्यवस्त्रा गहवित्ता ॥ खड्गवाही मथचक्रवदना
भवनाधरी ॥ ॐ सर्वभूतपायेश्वरी ॥ ॐ नदिवाङ्मिता ॥ ॐ रुद्रक
धनुस्त्रय गदाद्युष्मि ॥ ॐ अरिता ॥ ॐ पादातङ्गनिहस्र ॥ ॐ खड्गनिह
गयोगी ॥ ॐ देवस्यर्कभाषा ॥ ॐ नदिन्द्रसुनुवामर्क ॥ ॐ सिंहास
नसमावृता ॥ ॐ महिषायादतङ्गिता ॥ ॐ महिषासुनदनाच ॥ सर्वदेव

विनामिनी ॥ २४ ॥ वायाठ गं रुसाच खट्वांगं रुमनू विना ॥ नूद वलु
 पुव लुव वलु ग्रा वलु नायिका ॥ वलु वलु वती व व वलु वृषा
 निव लुका ॥ नवमी वा ग वलु व मध्व स सुका पुरा मिता ॥ २५ ॥
 ॥ ध्यानं पूष्यं नमः ॥ आवाहनं ॥ पाशादि गन्धकृत पूष्य धूप
 दीप नैवेद्यादि सर्वापवायं दत्वा पूजयेत् ॥ २६ ॥ श्री
 वाजपय ॥ श्री उद्यव लु विपुमर्दिनी महारुगवती ॥ २७ ॥
 सदावक ॥ त्वामाहं सः मृत्युहव गुण लियुष्यं नमः
 स्वाहा ॥ कतन स्वपाल ३ त्रिगुल मृदा कर्न ॥ तर्प्ये ३ ॥ वलि
 विष ॥ नंदा श्री महारुगवती ॥ श्री उद्यव लु खट्वा मृहय

श्री पाइका २ ॥ त्वामाहं सः मृत्युहव वलिगृह २ दूँ रुट् स्वा
 हा ॥ तर्प्ये ३ ॥ देवीसुक मर्कट त्रियाञ्जलि ३ ॥ काशम
 दाकर्न ॥ ॥ अष्टपद्म स नूद वलु दिपूजा ॥ ॥ न्यामः ॥
 ॥ अंजं नूद वलु श्री पाइका २ ॥ पूजा वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ श्री
 पुव लु श्री पाइका २ पूजा वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ वलु वलु श्री
 श्री पाइका २ पूजा वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ श्री वलु नायिका श्री
 पाइका २ पूजा वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ वलु श्री पाइका २ पूजा
 वलिगृह २ स्वाहा ॥ ॥ वलु वलु श्री पाइका २ पूजा वलिगृह २

श्रीपाइकां २ वलिगृह २ स्वाहा ॥ हुं वाँ वूँ वूं वौँ श्रीचामुण्डाय श्रीपाइ
 कां २ वलिगृह २ स्वाहा ॥ हुं मीं मूं मूं मूं श्रीमहालक्ष्मी देवी श्री
 पाइकां २ वलिगृह २ स्वाहा ॥ तर्पणं ॥ श्री ॥ शिवा ३ लि ६ चाक्षु ॥
 ॥ स्वस्वमुपादय ॥ ॥ ह्रुकादि पूजा ॥ न्यास ॥ नंदी श्रीम
 हा ॥ न ह्रुकादिमहादेववाय श्रीपाइकां २ ॥ ह्रुगवन ॥ द
 जगन्मधुपदीपाद्य अलिवलि विमिति वलिगृह २ कुं २ मूं २
 ललखरख खादि २ महादामनाधिपतये कमस्ववनदामम ॥ न
 कुं २ दूं २ दूं २ दूं २ स्वाहा ॥ तर्पणं ॥ ॥ शिवा ३ लि ॥ लिग ॥ यानिमू ॥
 ॥ अमिताभदि अष्टरुनवपूजा ॥ ॥ न्यास ॥ नंदी श्री अमिता

रूपदि महाअष्टरुनववाय श्रीपाइकां २ ॥ हुं अमिताभदि अष्टरु
 नवाय ॥ द जगन्मधुपदीपाद्य नववादि यथायनीतं महा
 पूजावलि गृह २ कुं २ मूं २ ललखरखखादि २ ममदीर्ग रुक् २ अ
 मीनरु २ अमकस्य ॥ न कुं २ मयादहं ॥ मवलि गृह २ स्वाहा ॥
 ॥ तर्पणं ॥ शिवा ३ लि ६ चाक्षु ॥ काद्य यानिमू ॥ ॥ धन
 पञ्चवलि वियर् ॥ ॥ हुं वाँ वूँ वूं वौँ देवीपूजावदकनाथाय स्व
 ठाकिमहिताय श्रीपाइकां २ ॥ हुं श्रीवदकनाथ ॥ म महापूजा
 वलि गृह २ दूं २ दूं २ स्वाहा ॥ तर्पणं ॥ शिवा ३ लि ॥ तर्कनीमूदावन ॥
 ॥ हुं कां कीं कुं कुं महाकृपा लाय स्वठाकिमहिताय श्रीपाइकां २ ॥

॥ हं कृणु नाथ ॥ ॐ म महापूजावलि गृह २ दूँ रुट स्वाहा ॥ तर्पणं ॥
 ॥ त्रियाश्रुलि ॥ स्वर्णनमूडाकन ॥ ॥ ॐ ययिं ययिं ययिं ॥ विचैतुमहा
 या गिनीया स्वर्णनवसहिताय धीपाइका २ ॥ ॐ ॥ हयागिनी
 मात ॥ ॐ म महापूजावलि गृह २ दूँ रुट स्वाहा ॥ ॐ ॥ तर्पणं ॥
 ॥ त्रियाश्रुलि ॥ महामूडाकन ॥ ॥ ॐ मर्गं गीं गीं ॥ मिदिग (८) ॥
 नाय स्वर्णकि सहिताय धीपाइका २ ॥ ॐ वं के वं ॥ कुल ग (८)
 ॥ ॐ नाय ॥ ॐ म महापूजावलि गृह २ दूँ रुट स्वाहा ॥ तर्पणं ॥
 ॥ त्रियाश्रुलि ॥ दनमूडाकन ॥ ॥ ॐ हं हं हं ॥ मिदिचामूडा
 य धीपाइका ॥ इमात ॥ ॐ म महापूजावलि गृह २ दूँ रुट

स्वाहा ॥ तर्पणं ॥ त्रियाश्रुलि ॥ कपालमूडाकन ॥ ॥ तगाकलठाः
 पूजा ॥ नासिडाउ ॥ न्यास ॥ असनपूजा ॥ ॐ यद्यासनायनम ॥
 ॥ ध्यात्वा ॥ आवाहय ॥ अगगन्धादि ॥ ॐ हं हं हं ॥ आनन्दः
 धकि ॥ नवानन्दवीनाधियतय ॥ संपूर्णकलठा ॥ ॐ ॥ मृतायः
 धीपाइका पूजयामि ॥ सूर्ययामि ॥ नमः ॥ त्वामा ॥ ॐ ॥ हं स ॥
 ॐ ॥ अमृतानन्द ॥ अमृतस्वैरुद्राविकाय ॥ ॐ द ॥ यथ ॥ पनीन
 महापूजावलि गृह २ रुकि मूके दहि २ ममायना धं क मस्व दूँ
 रुट स्वाहा ॥ तर्पणं ॥ त्रियाश्रुलि ॥ वनारय ॥ यानिमूडाकन ॥
 ॥ धेनलि ॥ दवीयाऊउम ॥ संगूटापूजा ॥ अगगन्धादि ॥ अस्वस्वा

मादि. ॐ अक्षरचिन्ता विद्या. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॥ द्रुक्
 नयूजा. ॐ शिवाय देवी. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॥ सिद्धमृन्मययूजा. ॥
 ॥ लंकांश. लक्ष्मी देवी. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॥ गणेश. स. यूजा. ॥
 ॥ ॐ देवी. नन्दाय. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॥ धनमूलाकन. ॥
 ॥ गणपति यूजा. ॥ ॐ मूयासनाय नमः ॥ ॐ गुरु. गणपतये. श्री पाइ
 कांशानुव. वलि. ॥ ॥ ततो मोहनी यूजा. ॥ न्यास. ॥ सवीडास. ॐ वागुव.
 वीरुवायाडा. यूजायादतय. ॥ मतविद्या. ॐ भादनी विश्वभादनी
 रथ. दिवा अर्जुन. सुपयामि. ॐ नाना. ॐ नाना. महाकलितवद्रि.
 नृपाय. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॐ अक्षरमि. ॐ दिवागिनीया. वलि.

गृह २ स्वाहा. ॥ तर्पण. ॥ शिवा अर्जुनि. ॥ शिवा ल. उपयाय १०. ॥ ॥
 ॥ रुद्रसि यूजा. ॥ न्यास. ॐ मधुकैठराय. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॥ महिषा
 सनाय. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॐ गुरुनिर्गुराय. श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥
 ॥ शक्ति कलश यूजा. ॥ न्यास. ॐ शिवशक्ति. देवदेवीया. श्री पाइ
 कांशानुव. वलि. ॥ तर्पण शिवा अर्जुनि. स्नानयानिमूला. ॥ अथ महा
 वलि यूजा. ॥ न्यास. ॥ वाशादिगन्धकैतन. ध्यात्वा पूजय. ॥ तर्पण. ॥
 ॐ नन्द. ३ मां मी मूं मां. महाभक्तन. दू. श्री महाकालाय. स्व
 शक्ति सहिताय श्री पाइकांशानुव. वलि. ॥ ॐ नाथरुगवन. ॐ दी. अगुगन्ध
 धूपदीपार्घ्य. यथाय. ॐ नीत. महायूजा वलि. गृह २ रुद्र २ मन्त्र २

ललखखे. खादि २ मुधं पिव २ मम मं गं. लक २ मं नक २ नकं पिव २
 दूं मे हा धं धं ना धि ये ते य. कम स्व व न दा म म. मया द हं ॥ मं व लि
 गृह गृह नु. दूं दूं दूं. महा काला य न म ४ स्वा हा ॥ त प्ये ॥ त्रि या ३
 लि ॥ खे ३. लि ३ या नि मु डां द धं य ॥ ॥ ति महा व लि म नु ४ ॥ ॥
 ॥ धनी लि. या धी या म क न य ठं ग. मूल म नु ४. ना म या दा डा. द
 बी या. च न धं क म ल धी. पे ३ य धा ३ ३ लि वि या डा. थ डा गूल मूल
 म नु ४. अ धा ल न धी ग. ऊ य या दा डा. इ ग्नी या ० अा दि ने. मं य
 या य ॥ क मा मु ति. त्रि या ३ ३ लि ॥ ॥ धनी लि. च पि पु जा या य ॥
 ॥ हं स. का ग. म दि य. थ डा कं इ थं. हि सा या य ॥ सैन्य या य न

न डा ॥ धनी लि. वा क न का या डा. पा ग व न्द न या य ॥ द कि त य ॥ ॥
 ॥ धर्त. महा धू मी या पु जा वि धि इ ला ॥ ॥ धनी लि. महा न व मी
 कू दू. थ डा नि त्य क र्म. स्ना ना दि. ॥ दू द व ता या पु जा ध न का डा
 अ धू मी कू दू या का पु जा. न व मि. द धी मि कू दू. या य मो ल ॥ ० ॥
 ॥ न व मी कू दू का ग पु जा ॥ ॥ अ व म न ॥ मू या य ॥ गु व न म स्का
 व ॥ ना य ॥ तै त ह्यु दि ॥ आ ल्म पु जा ॥ दू स्क न म. द वी खे चा य क ॥
 ॥ अ ग ग न्ध दि ॥ व लि स ग न ॥ पु जा उ थं ॥ पु जा ध न क ॥ ॥ ध न
 प धु. हि सा या य ॥ ॥ दू या. च पि पु जा ॥ ॥ प धु पु जा ॥ ल ख
 न हा य ॥ अ ग ग न्ध. धू य दी य. न व इ वि य ॥ या न गी न क ॥ ॥ ध न

मूला के दांडा पड़ुआ माउस जिधा लउ पयाय १० ॥ पड़ुग मय
कने पड़ुआ उडा दस पातस ॥ १॥ पड़ु पाडी यवि द्यह को वि
धे क माय धी महि सो न भाओ वपवा दया ॥ ॥ सैक लय आय ॥
॥ ॐ जगत्तादि ॥ यथा नाम गगना स्मृत धी ३ ने वद गने सात्रा धन
महान वमि पूजा विधिक मयि द्युर्थ धी महारु न वती यी गिका
मने ग ॥ ॐ मं क्रा गवलि रुय महं संपद द्य ॥ मूलाय के ॥ पड़ु
द्या गय ॥ मूला काय ॥ मस के दी पंद द्या ॥ खाउ चतुर्थ दद्या ॥
॥ जाऊ नई निवेदय ॥ वाकन काय ॥ पड़े पाना दिस मय काय ॥
॥ चतुर्थ नकाडी धी कुमारी कंग गदा पति पूजा यय माल ॥

॥ गगा की मारी पूजय ॥ जिवाच मया ॥ न्या स ॥ वलि पाग दडा नग
य ॥ ॥ धी न ॥ ॥ की माय मय ना सना सन म ॥ ॥ नं वदि सुगी व
न का समन रु वन ग कंग की ना पे नी के की माय हा कय का तिन
यन द धे तीय क व का वृटाया ॥ ॥ चत्वा द लु ३ ॥ किं चकर खेम निः
युत विन्दु रु सै व रु क की व रु रु न मे का खाऊ न धन सु ख दा न क
रु डी पना च ॥ १ ॥ ॥ धी न पूष्य नम ॥ ॥ आवाहन ॥ पाशो दिगम्भ
कृत न पूजय ॥ ॥ धूप दीप पक्वानादि ने व ॥ निवेदय ॥ ॥ तप
॥ ॥ नं की धी कं ॥ चवर्ग धी वाल की मारी दवा धी पाइ का ॥
॥ ॥ हमात ॥ ॥ मं ॥ ॥ गगन धूप दीप यथा पनीत महा पूजा

वलिगृह्ण २ रवाहि २ सुधूपिव २ शानिंकु २ ममाही २ सिद्धिंदहि २
 दूँरुठ स्वाहा ॥ नव धी ॥ गिया ॥ लि ॥ हाकि मुदा कने ॥ नव धी ॥
 गद पचा नकाडा ॥ वाकने तयाडा ॥ पागलडा द्वाय ॥ कापयक ॥
 ॥ करग (ले) धी पूजा ॥ उथ ॥ वस्त्रादि ॥ उग्र वस्त्रादि नत दाडा ॥
 पूजायाय ॥ ॥ न्यास ॥ उग्र ॥ नका कीकू ॥ दूँरुठ १०२ ॥
 सागया दाडा ॥ वस्त्र ॥ दक्षिण तय ॥ यानिम ॥ ध्यान ॥ नमस्कार ॥
 ॥ इति कुमारी पूजा विधिः ॥ ॥ अथ दक्षिण मि ॥ पूजा ॥ पूजा उथ ॥
 ॥ न्यास ॥ उग्र ॥ साग ॥ धूप धन ॥ आवति ॥ दीपदान ॥ द्यौं वाद्य ॥
 ॥ मनुहीन किआहीन ॥ रुकिहीन तथेव ॥ गत्सर्व कृम्य तां देवी ॥

समनकु नु सर्वदा ॥ १ ॥ सिद्ध ॥ सगुन ॥ माहनी ॥ नवला सान ॥ द
 वीसक कृय ॥ कल धी याले खन ॥ अरि यक याय ॥ पाग काय ॥
 ॥ खड्ग लडा द्वाय ॥ वाक् ॥ दुद (ज) लती कुधनासि ॥ धीरपक
 कय केवी ॥ पुसना मुक्य दौद ॥ खड्ग सिद्धि नमा मुने ॥ १ ॥ खड्ग
 समनकु कने ॥ उदूँ किने २ मम धी ॥ रुद्रय २ दूँरुठ स्वाहा ॥
 ॥ दिग स्वाडा ॥ द्रस पला क कि दाडा ॥ रुद्र सिद्धि दने याय ॥
 ॥ खड्ग ॥ द्वाया सा न सतय ॥ वलि विमडू नया दाडा ॥ पाग स
 मय ॥ काय ॥ सुखिल ॥ विमडू न ॥ गुवद कि दा विय ॥ वल कि
 इल दास ॥ कुमावी जाय ॥ शुकल कोर्न ॥ ॥ इति दक्षिण मि पूजा ॥

॥ नमो भगवते ॥
 ॥ वरुणाय नमः ॥
 ॥ १० ॥

॥ इति दक्षिण मि पूजा ॥
 ॥ १० ॥